वर्ष–2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगाये

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक **320- 1236950**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	X	2	0	3	2	4	6	7	0	0
शब्दों में	X	दो	शून्य	तीन	दो	चार	छः	सात	शून्य	शून्य

BOARD OF SECONDARY ED...

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 02 शब्दों में दो

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 2

ग :– परीक्षा का दिनांक 13 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
संयोगिता चिंदे	

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो ग्राफिट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठ के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर ...

G.EX.S.Balaghat
V.NO.- 782769

...PATLE (V.A.)
G.H.S.S.MATE
V.NO.- 782782

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

नोट :– "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जा...

99/100

R.K.CHOURE (Lect.)
G.H.S.S.Mendki
V.No.-782756

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16

99.1x33.9mmx16

पृष्ठ 2 क अंक

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक 1

उत्तर :→
सही विकल्प : ⟶

(i) (स) 562

(ii) (स) सन 1985

(iii) (अ) भारत - पाकिस्तान

(iv) (स) नीली

(v) (अ) विश्व का मण्डलीकरण ।

प्र० क्रमांक 2

उत्तर
रिक्त स्थानो की पूर्ति : →

(i) राष्ट्राध्यक्ष ।

(ii) सन 1954 ।

(iii) 24 अक्टूबर ।

de.mot
भाग पूर्व पृष्ठ
EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्र.

(iv) परिवर्तन ।

(v) निरक्षरता ।

प्र० क्रमांक (3)

उत्तर ! - एक वाक्य में उत्तर ! →

(i) मौलिक सदस्य ।

(ii) 'सार्क ।

(iii) सुरक्षा परिषद ।

(iv) वैश्वीकरण को भूमण्डलीकरण के नाम से जाना जाता है ।

(v) P.W.G का पूरा नाम ! → "peoples War Group" है ।

B
S
E

OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PR

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (4)

उत्तर ! →

सत्य / असत्य ! →

(i) असत्य ।

(ii) सत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) सत्य ।

BSE

Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1

प्र० क्रमांक (5)

सही जोड़ी ! →

(अ)	(ब)
(i) बी० एन० राऊ	- संवैधानिक सलाह
(ii) सर्वेण्ट्स ऑफ इण्डियन सोसायटी	- पुणे
(iii) बालिका समृद्धि योजना	- 1997
(iv) गोरखा लैण्ड आन्दोलन	- असम
(v) परमाणु अप्रसार संधि	- 1968

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (6)

उत्तर :-

जम्मू कश्मीर का 32,000 हजार वर्ग मील का वह क्षेत्र जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे मे है, पाकिस्तान उसी को आजाद कश्मीर अथवा 'पाक-अधिकृत कश्मीर' कहता है।

प्र० क्रमांक (7)

(अथवा)

उत्तर :-

भारत ने अपनी पहली सैन्य टुकड़ी 27 अक्टूबर 1947 को हवाई जहाज से कश्मीर भेजी।

प्र० क्रमांक (8)

उत्तर :-

संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार बी० बी० एन० राऊ थे।

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (9)

(अथवा)

उत्तर :-

गुटनिरपेक्षता का अर्थ :-

"गुटनिरपेक्षता का आशय है शीत युद्ध के परिप्रेक्ष्य में दोनों गुटो से सामान दूरी बनाये रखने की नीति"

इसे निर्णय की स्वतन्त्रता के रूप में परिभाषि किया गया है।

E

प्र० क्रमांक (10)

उत्तर :-

शिमला समझौते के दो प्रावधान :-

(i) द्विपक्षीय विवाद में किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप नही किया जाएगा।

(ii) कश्मीर प्रकरण को किसी भी क्षेत्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर नही उठाया जाएगा।

मध्यप्रदेश
...NDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY...

प्र० क्रमांक (11)

(अथवा)

उत्तर :→

संविधान निर्माण की तीन आवश्यकताए निम्नलिखित है :→

(i) सरकार के मनमाने पूर्ण व्यवहार के प्रति मनुष्य को संरक्षण :→

संविधान निश्चित नियमो को संग्रह होता है, जिसका पालन करना सरकार और जनमानस दोनो के लिए आवश्यक होता है।

B
S
E

(ii) सरकार की शक्तियो पर नियंत्रण :→

ऐसा माना जाता है की जनहितकारी शासन के लिए सरकार को कभी भी निरंकुश शक्तिया नही दी जानी चाहिए।

(iii) राजनीति व्यवस्था के विधि सम्मत प्रगति की गारण्टी :→

संविधान हि यह सुनिचित करता है की राजनीति व्यवस्था का किस प्रकार व्यवस्थित करना है।

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (12)

(अथवा)

उत्तर :→
नागरिको के तीन मौलिक अधिकार निम्नलिखित है :→

B S E

(i) अनु० 14. से 18 तक समानता का अधिकार।

(ii) अनु० 19. से 22 तक स्वतन्त्रता का अधिकार

(iii) अनुच्छेद - 23 से 24 तक शोषण के विरुद्ध अधिकार

(iv) अनुच्छेद - 25 से 28 तक धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार

अनुच्छेद - 29 से 31 तक।
सांस्कृति और शिक्षा विषक सम्बन्धी अधिकार।

प्र० क्रमांक (13)

उत्तर ! →

संयुक्त राष्ट्र संघ के कोई तीन प्रमुख निम्नलिखित है : →

(i) आने वाली पीढ़ियो को युद्ध की विभीषिका से बचाना।

(ii) मूलभूत मानवाधिकारों और कार्य तथा स्त्री पुरुष एवं राष्ट्र के मध्य विश्वास को मजबूत करना।

(iii) ऐसी स्थितियो का निर्माण करना जिसमे न्याय तथा संधि एवं अन्तर्राष्ट्रिय विधिस्रोतो से उद्भूत उत्तरदायित्वों का पालन किया जा सके।

(iv) सामाजिक प्रगति तथा जीवन के बेहतर स्तर को बढ़ावा देना।

(v) सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय को प्रोत्साहित एवं पुष्ट करना।

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (14)

उत्तर :→

निःशस्त्रीकरण के मार्ग मे आनेवाली प्रमुख बाधाए निम्नांकित है :→

(1) शस्त्रीकरण मे राष्ट्रो का विश्वास :→

विश्व का हर राष्ट्र निःशस्त्रीकरण का समर्थक है, परन्तु व्यवहारिक धरातल पर हर राष्ट्र को लगता है कि अधिक से अधिक हथियार (ही) सुरक्षा को सुनिश्चित करता है

BSE

(2) हथियारो के अनुपात पर सहमति न बन पाना :→

निःशस्त्रीकरण की सफलता के मार्ग मे सबसे बडी बाधा यह है की बडे राष्ट्र इस बिन्दु पर सहमति नही हो पाते की विभिन्न राष्ट्रो के पास किस अनुपात मे हथियार विद्यमान रहे ।

(3) राष्ट्रो के बीच अविश्वास :→

यदि कोई देश हथियारो का ...पात करता है तो पडोसी राष्ट्र यही ...मझता है की वह राष्ट्र उसकी तुलना में ...पनी सैन्य क्षमता बडा रहा है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (15)

(अथवा)

उत्तर :→

म० प्र० पिछड़ा वर्ग आयोग :→

म० प्र० पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन ...या। आयोग में 3 शासकीय सदस्य होगें।

ये प्रायः ऐसे व्यक्ति होगें जो पिछड़े वर्ग से सम्बन्धित मामलो मे विशेष अनुभव रखते हो।

BSE

आयोग का कार्य :→

(i) संविधान अथवा सामान्य विधि द्वारा पिछड़े वर्ग के लोगो को दिये गये संरक्षण की दिशा में प्रयास किया जाना।

(ii) पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए बनें कार्यक्रमो को समुचित तथा यथासम्भव कार्यान्वयन की निगरानी करना एव ऐसे कार्यक्रमो को अधिकाधिक प्रभावशाली बनाने हेतु सुझाव देना।

(iii) लोक सेवाओ तथा शैक्षणिक संस्थानो में प्रवेश के लिए पिछड़े वर्गो के लिए आरक्षण के सम्बन्ध मे सुझाव देना।

प्रश्न क्र.

(iv) सुची मे किसी वर्ग को सम्मिलित करने के प्रार्थना पत्र पर विचार करना आयोग इस बारे मे भी परामर्श देगा की कौन से वर्ग पिछडे वर्गो की सूची से निकाल दिये जाये।

क्रीमी लेयर में आने वाले वर्गो का निर्धारण।

प्र० क्रमांक (16)

उत्तर :→
भारत में क्षेत्रवाद के उदय के चार कारण निम्नलिखित है :→

(i) क्षेत्रीय विभिन्नताए :→
क्षेत्रवाद की प्रवृत्ति विभिन्नता के कारण विकसित होती है। भाषायी आधार राज्यो के गठन के बाद तमाम राज्यो में अनेक ऐसे समूह असंतुष्ट रह गये जो स्वतंत्र राज्य इकाई के आकांक्षी।

(2) भाषायी लगाव :→
भाषायी लगाव क्षेत्रवाद का और प्रमुख कारण है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

सन् 1958 में राज्य पुनर्गठन पर विचार करने के लिए दर आयोग की नियुक्ति की गयी थी। इसके बावजूद राजनीतिज्ञों ने अपने निहित स्वार्थों के चलते भि भाषायी हितों को प्रश्रय देना जारी रखा।

(3) विभिन्न क्षेत्रों का असन्तुलित आर्थिक विकास :→

राज्यों के अलग-अलग भागों में आर्थिक विकास की असंतुलित स्थिति भी क्षेत्रवाद का एक प्रमुख कारण है। उदाहरण के लिए - असम में ऑल असम स्टूडेण्ट द्वारा चलाया गया आन्दोलन इसी भाव से प्रेरित है।

(4) निहित राजनीति स्वार्थ :→

क्षेत्रवाद के राजनीतिक कारण भी होते है। कभी-कभी स्थानीय और क्षेत्रीय राजनेता भी अपनी पृथक राजनीति पहचान बनाने के लिए इस तरह के आन्दोलनों को प्रेरित है।

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्र० क्रमांक (17)

उत्तर ! →

राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित है ! →

(1) संविधान और विधियो के अधीन महिलाओ से सम्बन्धित समस्त मामलो का अन्वेषण और परीक्षण करना |

(2) महिलाओ के प्रति विभेद एवं अत्याचार के मामलो का अन्वेष करना |

(3) महिलाओ की दशा सुधारने हेतु उपायो के क्रियान्वयन हेतु सुझाव देना |

(4) महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु योजनाओ में सहभागिता तथा सुझाव देना |

(5) केन्द्र और किसी राज्य के आधीन महिलाओ के विकास की प्रगति का मूल्यांकन करना |

(6) जेल, रिमाण्ड गृह नारी निकेतन आदि मे रहने वाली महिलाओ की स्थिति का अन्वेषण करना तथा इन

स्थानो का निरीक्षण करना)

(7) महिलाओ से सम्बन्धित किसी मामले पर सरकार को रिपोर्ट (Report) देना ।

(8) किसी अन्य मामले का अन्वेषण करना जो इसे केन्द्र सरकार द्वारा सौंपा जाये ।

प्र० क्रमांक (18)

(अथवा)

उत्तर :→

भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति निम्नलिखित कारणो के द्वारा अपनायी गयी है :→

(1) विश्व शान्ति मे भूमिका निर्वाह करने की इच्छा :→

भारत ने यह महसूस किया की वह अमरीकी या सोवियत खेमे सम्मिलित होकर अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को बढ़ाने मे सहायक होगा न की अंतर्राष्ट्रीय शान्ति को आगे बढ़ाने में ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखने की इच्छा :-
स्वतंत्रता के बाद भारत न तो एक बड़ी शक्ति था और न ही इतनी छोटी शक्ति की उसे नजर अन्दाज किया जा सके। फिर भारत मे एक बड़ी शक्ति बनने की सभी सम्भावनाएं निहित थी।

B
S
E

(3) अपनी निर्णय की स्वतंत्रता को बरकरार रखने की इच्छा :-
भारत किसी राष्ट्र का अनुकरण करना अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में अपने निर्णय की स्वतंत्रता को सीमित करना नही चाहता था।

(4) दोनो गुटो से आर्थिक सहायता प्राप्त करने की इच्छा :-
यदि भारत किसी खेमे में सम्मिलित हो जाता तो मात्र उसी खेमे से ही सहायता प्राप्त कर सकता था जबकि गुटनिरपेक्ष रह रख वह दोनो गुटो से अधिक से अधिक सहायता प्राप्त कर सकता था।

प्र० क्रमांक (19)

उत्तर :→

सार्क (SAARC) का पूरा नाम :→
"South Asian Association For Regional Co-operation"

सार्क के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है :→

(i) दक्षिण एशिया के जनमानस के कल्याण को प्रोत्साहन देना तथा उनके जीवन मे गुणात्मक सुधार लाने का प्रयास करना।

(ii) दक्षिण एशिया में आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति तथा सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना।

(iii) दक्षिण एशिया के राष्ट्रो के मध्य सामूहिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा इसे मजबूत बनाना।

(iv) परस्पर विश्वास समझ तथा एक दूसरे की समस्याओ को समझने का प्रयास करना।

प्रश्न क्र.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(5) आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृति तकनीकी, वैज्ञानिक तथा प्रशासकीय क्षेत्र में सामान्य हित के मुद्दो पर सक्रिय सहयोग करना।

(6) अन्य विकासशील देशो के साथ सहयोग को मजबूत करना।

प्र० क्रमांक (20)

(अथवा)

उत्तर :->

4 जनवरी 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति आयूब खान व भारत के प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के मध्य ताशकन्द में वार्ता प्रारम्भ हुयी।

अन्तत: 10 जनवरी 1966 को ताशकन्द समझौते पर हस्ताक्षर हुये।

ताशकन्द समझौते के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित है :->

(1) दोनो पक्षो ने आपस मे अच्छे सम्बन्धों का निर्माण करने पर सहमति प्रदान की

(2) दोनो पक्षो ने यह सहमति व्यक्त की की 25 फरवरी 1966 के पूर्व जिस स्थिति मे थे वही से अपनी सेनाए वापस बुला लेगे ।

(3) दोनो पक्ष युद्ध विराम रेखा पर युद्ध रेखा की शर्तो का पालन करेगें ।

(4) दोनो पक्ष एक-दूसरे की आन्तरिक मामलो मे हस्तक्षेप नही करेगें ।

(5) दोनो पक्षो ने एक दूसरे के विरुद्ध प्रचार को हतोत्साहित करने तथा पुनः राजनैतिक सम्बन्धों की स्थापना करने का निर्णय लिया ।

(6) दोनो पक्ष शरणार्थियो के समस्याओ पर विचार करेगें ।

इसके अतिरिक्त आर्थिक व्यापारिक सांस्कृतिक सम्बन्धो को मधुर बनाने पर सहमति व्यक्ति की ।

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 20 के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (21)

उत्तर :->

आधुनिकीकरण की चार विशेषताएँ निम्नलिखित है :->

(i) परम्परागत समाज में एक हि व्यक्ति कई पदो को धारण कर लेता है परन्तु आधुनिक समाज में ऐसी व्यवस्था नही होती।

(2) आधुनिक समाज में विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिए अलग - अलग संरचनाओ की व्यवस्था होती है।

(3) आधुनिक व्यवस्था धर्म निरपेक्ष प्रक्रिया और तर्कसंगत तरीकों कों अपनाती है।

(4) आधुनिक व्यवस्था में व्यक्ति की निष्ठा का स्वरूप राष्ट्रीय या कभी-कभी अन्तर्राष्ट्रीय होता है।

) आधुनिक समाज में आम जनमानस की व्यवस्था सक्रिय भागभागित होती है।

B
S
E

योग पूर्व अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(6) आधुनिक व्यवस्था मे भूमिकाओ का वितरण क्षमता तथा योग्यता के आधार पर होता है।

(7) आधुनिक समाज मे धर्म जाति आदि परम्परागत आधारो का कोई महत्व नही होता है।

प्र० क्रमांक ० (22)

उत्तर :→

राज्य पुनर्गठन

गठन :→

29 दिसम्बर 1953 में भाषायी आधार राज्यो के पुनर्गठन पर विचार करने के लिए राज्य पुनर्गठन आयोग के गठन की घोषणा की गयी।

इसका अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति फ़जल अली को बनाया गया। हृदय कुंजरू तथा के० एम० पणिक्कर को इस आयोग का सदस्य बनाया गया।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

राज्य पुनर्गठन की प्रमुख संस्तुतिया निम्नलिखित है ! →

(i) पुनर्गठन में राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता ।

(ii) एक भाषा एक राज्य के विचार से असहमत ।

(iii) भाषायी एकरूपता प्रशासकीय कर्मठता मे सहायक ।

(iv) पुनर्गठन मे भाषायी एकता पर ध्यान दिया जाये ।

(vi) केरल, कर्नाटक मध्यप्रदेश के नये राज्यो की स्थापना ।

(vi) मद्रास, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार पं॰ बंगाल असम और उड़ीसा का यथावत अस्तित्व ।

(vii) त्रिभ त्रिपुरा असम मे सामिल नही ।

(viii) महाराष्ट्र मे मराठी भाषी क्षेत्र और गुजरात मे गुजराती भाषी क्षेत्र शामिल ।

क्षेत्रीय परिषदो की स्थापना ।

BSE

(xi) जहा राज्य पुर्नगठन आयोग ने 16 राज्यो और 3 केन्द्रशासित क्षेत्रो की संस्तुती की थी वही अधिनियम 14 राज्य और 6 केन्द्रशासित क्षेत्रो की स्थापना हेतु संस्तुति की गयी।

(xii) संविधान मे वर्णित राज्यो का चार पक्षीय वर्गीकरण (A. B. C और D) को समाप्त किया जाये और सभी राज्यो को सामान दर्जा प्रदान किया जाये।

प्र० क्रमांक (23)

(अथवा)

उत्तर →

नियोजन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है →

(i) समाज के विभिन्न वर्गो के मध्य विद्यमान आय तथा सम्पत्ति के असमान वितरण को कम करना या दूर करना।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(2) देश में उपलब्ध प्राकृतिक तथा मानव संसाधनों का समुचित उपयोग करके उत्पादन में वृद्धि करना

(3) आय तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि की दिशा मे प्रयास करना

(4) सन्तुलित क्षेत्रीय विकास की दिशा मे प्रयास करना।

B
S
E

(5) अर्थव्यवस्था को सन्तुलित बनाना

(6) लोगों के जीवन स्तर मे सुधार लाने की दिशा मे प्रयास करना

(7) जनमानस को अवसर की समानता उपलब्ध कराने की दिशा मे प्रयास करना।

(8) सामाजिक उत्थान के लक्ष्यो को पूरा करना।

(9) शान्ति और सुरक्षा की दिशा मे प्रयास करना क्योंकि शान्ति एवं सुरक्षा के अभाव मे किसी प्रकार का विकास सम्भव नही है।

-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी	13 06 2020

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 120 - 1377976

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	0	3	2	4	6	7	0	0

शब्दों में

दो	शून्य	तीन	दो	चार	छः	सात	शून्य	शून्य

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा

केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

[signature]

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

[signature]

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्त

प्र० क्रमांक (25)

उत्तर :-

क्षेत्रवाद :-

क्षेत्रबवाद वह संकीर्ण मनोवृत्ति है, जिससे प्रेरित होकर किसी क्षेत्र विशेष के लोग अपनें क्षेत्र विशेष की तुलना में अन्य क्षेत्रो कों निम्न समझते है।

तथा वह अपनी क्षेत्रवादी मनोवृत्तियो के कारण अपनें स्थानीय क्षेत्रवादी प्रवृत्तियो को हि बढ़ावा देते है।

अंकों का योग

उत्तर :→ क्षेत्रवाद के कारणो को रोकने के उपाय निम्नलिखित है।→

(1) संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा !→

सरकार द्वारा विकास कार्यक्रमो का निर्माण और क्रियान्वय इस प्रकार से किया जाना चाहिए की जिससे सन्तुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल सके। यह बात निर्विवाद है की अब तक भारत मे चलाये गये अधिकांश क्षेत्रीय आन्दोलनों के मूल में असन्तुलित आर्थिक विकास ही रहा है।

(2) विशिष्ट जातीय समूहो की रक्षा !→

विशिष्ट जातीय समूहो की संस्कृति और पहचान को सुरक्षित रखने के लिए सरकार को विशेष प्रयास किया जाना चाहिए। इस आशय के प्रावधान वैसे भी संविधान के अनुच्छेद 29 एवं 30 मे किये गये है इन्हे पूर्ण ईमानदारी से लागू किया जाना चाहिए।

(3) पिछड़े क्षेत्रो के विशेष ध्यान :→

यथासम्भव पिछड़े हुए क्षेत्रो पर राज्य को विशेष ध्यान देना चाहिए। ताकी उन्हे मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। संघ सरकार को राज्य सरकारो के पिछड़े हुए क्षेत्रो पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश देना चाहिए।

(4) क्षेत्रीय आन्दोलनो पर अंकुश :→

क्षेत्रवादी आन्दोलनो की हिंसात्मक प्रवृत्ति पर कठोरता से अंकुश लगाना चाहिए। सरकार को यह दृढ़तापूर्वक स्पष्ट कर देना चाहिए की किसी भी प्रकार की क्षेत्रीय आकांक्षाओ की पूर्ति संविधान के दायरें मे शान्तिपूर्ण ढंग से सम्भव है।

(5) भावनात्मक दृष्टिकोण का विकास :→

क्षेत्रवादी राजनीति को समाप्त करने का सबसे कारगर उपाय भावनात्मक दृष्टि में कटुता [redacted] द्वेष के स्थान पर समानता और [redacted] को बढ़ावा देना चाहिए।

कुल अंक

प्र० क्रमांक (25)

उत्तर ! →

उपभोक्ता के हितो का संरक्षण ही उपभोक्ता संरक्षण है। उपभोक्ता असंगठित होते है इसलिए उत्पादक वर्ग व्यापारी वर्ग तथा सरकार द्वारा उपभोक्ता के हितो की उपेक्षा की जाती है। जिससे उन्हे हानी उठानी पड़ती है।

उपभोक्ता संरक्षण को प्रभावी बनाने हेतु निम्नांकित सुझाव करना चाहिए ! →

(1) ग्रामीण क्षेत्र मे विकसित करना ! → उपभोक्ता आन्दोलन को ग्रामीण क्षेत्र में विकसित किया जाना चाहिए। जिससे लोग जागरुक हो सके और उनका शोषण न हो सके।

(2) महिलाओ की भागीदारी ! → उपभोक्ता आन्दोलन में महिलाओ को सक्रिय किया जाना चाहिए। जिससे वे इसमे सक्रिय सहभागीता निभा सके।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी	13 06 2020

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 120 - 1377977

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 1 2 0 3 2 4 6 7 0 0

शब्दों में: एक दो शून्य तीन दो चार छः सात शून्य शून्य

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा

केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

संयोगिता सिंह

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

...अ उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्त

③ प्रयोगशाला खोलना :→
मिलावटी समान की जॉच के लिए स्थान - स्थान पर प्रयोग शालाए खोलना चाहिए खाद्य वस्तु मे मिलावट करने पर रोकथाम की जा सके ।

④ विभिन्न संचार माध्यम से जागरूक करना :→
उपभोक्ताओ को विभिन्न संचार माध्यमो जैसें → टेलीविजन रेडियो पत्र पत्रिकाओ आदि के माध्यम से उन्हे जागरूक तथा शिक्षित किया जाना चाहिए ।

⑤ दूषित खाद्य सामग्रीपर प्रतिबन्ध :→
दूषित खाद्य सामग्री पर रोक लगायी जाये । जिसे उपभोक्ता उन पदार्थो का

अंकों का योग

उपयोग न कर सके तथा
वे स्वास्थ्य रहे।

इन उपायो से हम उपभोक्ताओ को जागरूक करके उन्हे संरक्षण प्रदान कर सकते है।

प्र० क्रमांक (26)

उत्तर :→

भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तो का वर्णन निम्नलिखित है :→

(1) गुटनिरपेक्षता :→

नेहरू का मानना था की विश्व शान्ति के लिए यह आवश्यक है की भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्रो को अनुसरण का मनोभाव त्यागकर अपनी स्वतंत्र विदेशी नीति को अपनाना चाहिए। तथा उसे किसी शक्ति खेमे मे सम्मिलित होकर अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति का उल्लघंन नही करना चाहिए।

② साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवादका विरोध :→

मोटे तौरे पर उपनिवेश का आशय उन नीतियो और तरीको से लिया जाता है जिसके द्वारा साम्राज्यवादी शक्तियाँ अन्य क्षेत्रो तथा अन्य लोगो पर अपना नियंत्रण स्थापित करती है।

उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद मे कोई ज्यादा फर्क नही है।

③ रंगभेदभाव का विरोध :→

भारत की विदेश नीति प्रारम्भ से हि मानवमात्र के बन्धुत्व के सिद्धान्त पर आधारित रही है। अन्तराष्ट्रीय धरातल पर रंगभेदवाद के विरुद्ध आवाज उठाने वाला भारत पहला राष्ट्र रहा है।

④ पंचशील :→

भारत प्रारम्भ से हि शान्तिपूर्ण सह अस्तित्व के सिद्धान्त का अनुयायी रहा है।

शान्तिपूर्ण सह अस्तित्व को भारत ने पंचशील के पाँच सिद्धान्तो की स्वीकृति के रूप में मूर्त रूप दिया।

(5) सभी राष्ट्रो विशेषकर पड़ोसी राष्ट्रो से मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध ! →

भारत स्थायी शत्रु की अवधारणा में विश्वास नही करता है। और अपने द्विपक्षीय विवादो को परस्पर वर्ता से हल करने व हेतु कृतसंकल्प है।

(6) संयुक्त व राष्ट्र मे दृढ़ आस्था ! →

संयुक्त राष्ट्र हि वह अन्तराष्ट्रीय सगंठन है जो विश्व में शान्ति स्थापित कर सही सक्ती। अत: शान्ति प्रिय होने के कारण भारत का संयुक्त राष्ट्र मे भी दृढ़ आस्था